छोटे जीव बड़ा काम

जल को साफ रखने से लेकर खेती को सुरक्षित बनाने तक निभा रहे अहम भूमिका, इनका संरक्षण प्रकृति के भविष्य के लिए जरूरी

जबलपुर के ये छोटे जीव निभा रहे बड़ी जिम्मेदारी

घोंघा | झींगा | भृंग (बीटल) | केंचुआ

नवभारत , जबलपुर । नर्मदा के किनारे उड़ती ड्रैगनफ्लाई, बारिश के बाद खेतों में दिखाई देने वाले केंचुए, तालाबों में रहने वाले घोंघे और झींगे या फिर खेतों में जाल बुनती मकड़ियां आमतौर पर ये जीव लोगों का ध्यान नहीं खींचते। कई बार इन्हें साधारण या बेकार समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि ये छोटी प्रजातियां प्रकृति से गायब होने लगें तो इसका असर केवल एक जीव पर नहीं, बल्कि पूरे पर्यावरणीय तंत्र पर पड़ेगा। जबलपुर क्षेत्र में जैव विविधता शोधकर्ता डॉ. अर्जुन शुक्ला ने आसपास के क्षेत्रों में किए गए वैज्ञानिक सर्वेक्षण के दौरान ऐसी कई प्रजातियों का दस्तावेजीकरण किया है, जो पर्यावरण के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। अध्ययन में सामने आया कि मीठे पानी के झींगे, घोंघे, ड्रैगनफ्लाई, केंचुए, धब्बेदार गुबरैले और मकड़ियां प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में ऐसी भूमिका निभा रही हैं ।

खेतों की मिट्टी को जिंदा रखते हैं केंचुए

शोध में यह भी सामने आया कि केंचुए मिट्टी की संरचना सुधारने में सबसे महत्वपूर्ण जीवों में शामिल हैं। वे मिट्टी को भुरभुरी बनाकर उसमें हवा और पानी के संचार को बढ़ाते हैं। दूसरी ओर धब्बेदार गुबरैले जैविक अपशिष्ट को मिट्टी में मिलाकर पोषक तत्वों का पुनर्चक्रण करते हैं। मकड़ियां फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों का शिकार कर प्राकृतिक कीट नियंत्रण में मदद करती हैं। यही कारण है कि विशेषज्ञ इन्हें टिकाऊ खेती का महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं।

सबसे पहले इन्हीं पर पड़ता है प्रदूषण का असर

शोधकर्ताओं का कहना है कि जल प्रदूषण, रासायनिक कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग और प्राकृतिक आवासों का लगातार सिकुड़ना इन जीवों के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इनकी संख्या में गिरावट आने का असर धीरे-धीरे जल की गुणवत्ता, मिट्टी की उर्वरता, कृषि उत्पादन और जैव विविधता पर दिखाई देने लगता है।

छोटे जीवों को बचाना, प्रकृति को बचाना है

डॉ. अर्जुन शुक्ला का कहना है कि जैव विविधता का अर्थ केवल बड़े वन्यजीवों का संरक्षण नहीं है। प्रकृति का पूरा तंत्र लाखों छोटी प्रजातियों पर आधारित है, जो लगातार बिना किसी हस्तक्षेप के पर्यावरण को संतुलित बनाए रखती हैं। यदि इनकी उपेक्षा की गई तो भविष्य में इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं।

फैक्ट फाइल

सर्वेक्षण क्षेत्र: जबलपुर एवं आसपास का क्षेत्र
शोधकर्ता: डॉ. अर्जुन शुक्ला (जैव विविधता शोधकर्ता)
मुख्य प्रजातियां: मीठे पानी के झींगे, घोंघे, ड्रैगनफ्लाई, केंचुए, धब्बेदार गुबरैले, मकड़ियां

इनका कहना है

पिछले 11 वर्षों से मैं नर्मदा नदी की जैव विविधता और जलीय जीवों पर शोध कर रहा हूं एवं 125 से अधिक शोध पत्र, 20 पुस्तकें और 35 राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन हो चुके हैं। लोग अक्सर बड़े वन्यजीवों को ही जैव विविधता मानते हैं, जबकि छोटे जीव भी प्रकृति के संतुलन की अहम कड़ी हैं।

डॉ. अर्जुन शुक्ला
जैव विविधता शोधकर्ता

संस्कार और सृजन की दिशा देता रहेगा साहित्य : डॉ. दुबे

नवभारत, जबलपुर। सुमित्र का साहित्य समय की सीमाओं से परे पीढ़ियों को संस्कार और सृजन की दिशा देता रहेगा, ये बात कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महामहोपाध्याय डॉ. हरिशंकर दुबे ने कहीं। मौका था पाथेय संस्था एवं सुमित्र सृजन पीठ के तत्वावधान में सेठ चुन्नीलाल का बाड़ा, 112 सराफा स्थित ऐतिहासिक भवन में 'सुमित्र साहित्य, संस्कृति धरोहर संगोष्ठी' के आयोजन का, जो कीर्तिशेष डॉ. सुमित्र की सृजन-साधना, साहित्यिक गोष्ठियों और आत्मीय संवादों का साक्षी रहा है। इस समय के साथ जीर्ण-शीर्ण हो चुके भवन के पुराने स्वरूप के विलुप्त होने से पूर्व यहाँ की साहित्यिक स्मृतियों और संस्मरणों को पूरी तरह संरक्षित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व महापौर प्रभात साहू ने कहा कि साहित्यिक धरोहरें भवनों से नहीं, बल्कि उनमें जन्मे विचारों और संवेदनाओं से जीवित रहती हैं। कार्यक्रम में सारस्वत अतिथि अमरेंद्र नारायण, अशोक मनोध्याय, राजेंद्र मिश्रा एवं छायाकार वसंत मिश्रा ने अपने

विचार साझा किए। विशिष्ट अतिथियों में प्रतुल श्रीवास्तव, निर्मला तिवारी, डॉ. सलमा जमाल, सुभाष शलभ, संध्या जैन, सुशील श्रीवास्तव एवं विजय अनुज उपस्थित रहे, जिन्होंने अतीत की साहित्यिक स्मृतियों पर प्रकाश डाला। प्रारंभ में संयोजक राजेश पाठक 'प्रवीण' ने सुमित्र की साहित्य-साधना को आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शक बताया और संतोष नेमा ने सभी उपस्थितजनों को 'सुमित्र संस्मरण' कृति प्रदान की।

वरिष्ठ साहित्यकारों ने सुनाए आत्मीय संस्मरण

इस अवसर पर इरफान झांसवी, डॉ. विजय किसलय, विजय अनुज, अरुणा पांडे, विजय जायसवाल, सुभाष शलभ, गणेश प्यासा, डॉ. मनोरमा गुप्ता एवं दीपक तिवारी ने डॉ. सुमित्र के साहित्यिक अवदान के महत्व को रेखांकित किया। वहीं डॉ. मनोरमा गुप्ता, डॉ. बीना शर्मा, राजीव गुप्ता, अस्मिता शैली, डॉ. गीता पांडे एवं मृगेंद्र नारायण सिंह ने उनसे जुड़े आत्मीय संस्मरण सुनाए। कार्यक्रम में डॉ. मोहिनी तिवारी, कामना कौस्तुभ एवं प्रियम तिवारी ने अतिथियों, उपस्थित साहित्यकारों तथा संस्था प्रतिनिधियों को सुमित्र स्मृति प्रतीक से सम्मानित किया। इस गरिमामयी आयोजन में डॉ. शोभा सिंह, राजेश नेमा, मनीषा गौतम, सोनल पांडे, प्रतीक्षा सेठी, अनंतराम चौबे, दीपचंद विनोदिया, आर.के. पासी एवं महेश स्थापक की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस पूरे कार्यक्रम का कुशल संचालन राजेश पाठक 'प्रवीण' द्वारा किया गया तथा अंत में सभी के प्रति आभार डॉ. हर्ष तिवारी ने व्यक्त किया।

एक नजर में

सुरिंदर सिंह आनन्द बने धन पोठोहार बिरादरी के अध्यक्ष

नवभारत, जबलपुर। सिख समाज की धार्मिक एवं सामाजिक संस्था धन पोठोहार बिरादरी के वार्षिक चुनाव में वरिष्ठ समाजसेवी सरदार सुरिंदर सिंह आनन्द को सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस अवसर पर जबलपुर सिख संगत के अध्यक्ष हरेंद्र जीत सिंह बब्बू, गुरुद्वारा ग्वारीघाट के प्रधान गुलजीत सिंह साहनी, सदर के प्रभजोत सिंह, गोरखपुर के हरजीत सिंह सूदन कुक्कू, कालू आनन्द, गुरदेव सिंह पांधे एवं अन्य उपस्थित सदस्यों ने सुरिंदर सिंह आनन्द को सम्मानित कर उन्हें बधाई दी।

पर्याप्त वर्षा की कामना के लिए गायत्री परिवार करेगा वरुण यज्ञ

नवभारत, जबलपुर। वर्षा की कमी और संभावित जल संकट को देखते हुए अखिल भारतीय गायत्री परिवार ट्रस्ट ने 6 और 7 अगस्त को 'वरुण गायत्री जप एवं यज्ञ' का आयोजन करने का निर्णय लिया है। इसका मुख्य उद्देश्य आध्यात्मिक साधना के माध्यम से पर्याप्त वर्षा की प्रार्थना करना तथा समाज में जल संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश देना है। 6 अगस्त, गुरुवार को गायत्री शक्तिपीठ, मनमोहन नगर में सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक वरुण गायत्री मंत्र का अखंड जप होगा और इसके बाद सायं छह से सात बजे तक दीप महायज्ञ आयोजित किया जाएगा। वहीं 7 अगस्त, शुक्रवार को सुबह 8 से 12 बजे के बीच सभी साधक अपने-अपने घरों में विधिवत गायत्री यज्ञ करेंगे तथा वरुण गायत्री मंत्र के साथ 24 आहुतियां समर्पित कर पर्याप्त वर्षा की प्रार्थना करेंगे। गायत्री परिवार ने सभी श्रद्धालुओं से अखंड जप में दो-दो घंटे का समय देकर सहभागी बनने तथा अधिक से अधिक लोगों को इस आध्यात्मिक अभियान से जोड़ने का आह्वान किया है ताकि आयोजन के माध्यम से जल के महत्व, पर्यावरण संरक्षण और सामूहिक प्रार्थना की भावना को जन-जन तक पहुंचाया जा सके।

प्रभु का नाम सुमिरन एवं संकीर्तन सर्व फल प्रदायक : पं. दुबे

नवभारत, जबलपुर। भगवान हर जगह व्याप्त हैं और 'हरि व्यापक सर्वत्र समाना' प्रभु का नाम सुमिरन संकीर्तन सर्व फल प्रदायक है, इसलिए प्रभु का नाम सुमिरन व संकीर्तन अवश्य करें, ये बातें संकीर्तनाचार्य पं. मनमोहन दुबे ने कहीं। मौका था चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मण्डल जाबालिपुरम् के संयोजकत्त्व में श्रावण मास पर जारी संकीर्तन माला के छठवें दिवस पर गलगला दुर्गा मंदिर में आयोजित हरिनाम संकीर्तन का।

यह आयोजन पं. घनश्याम दुबे के सानिध्य में हुआ। इस दौरान मंदिर परिसर सियाराम जय राम, राधे राधे, गौरीशंकर सीताराम, वीर हनुमना जैसे समधुर भजनों से गुंजायमान रहा। इस कार्यक्रम में मण्डल के संयोजक देवेन्द्र नेमा, मनोज गुलाबवानी, माया सैनी, प्रतिभा शिवहरे, रश्मि नागोरिया, नीलम चौरसिया, पदमा गुप्ता, मानवी सैनी, ओमप्रकाश शिवहरे, प्रभाकर चतुर्वेदी, सुरेन्द्र गिरी, सत्यप्रकाश नामदेव, पप्पू चौबे, प्रकाश मार्डिकर, अमित विश्नोई, अनिल सुहाने, अनिल आचार्य, सुनील नामदेव, नवनीत पटवा, विशाल पंड्या और धीरज वंशकार आदि भक्तजन उपस्थित रहे।

सावन के पहले मंगलवार को महिलाओं ने किया मां मंगला गौरी का पूजन

नवभारत, जबलपुर। श्रावण मास के दौरान प्रत्येक शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा-अर्चना की जा रही है, साथ ही इस महीने के हर मंगलवार को मां मंगला गौरी के पूजन का भी विशेष महत्व है। इस संबंध में विद्वानों का मत है कि श्रावण मास में लगातार तीन मंगलवार तक व्रत रखकर मां से प्रार्थना करने वाले हर नर-नारी की मनोकामना पूरी होती है। इसी आस्था के साथ मिलौनीगंज के बधइया मोहल्ला स्थित मां मंगलागौरी मंदिर में श्रावण मास के प्रथम मंगलवार को बड़ी संख्या में महिलाओं ने पहुंचकर मां गौरी की पूजा-अर्चना की और व्रत रखा। मंदिर में वर्षों से चली आ रही इस परंपरा के अनुसार महिलाएं परिवार की सुख-समृद्धि के लिए यह व्रत करती हैं और उनके व्यक्तिगत अनुभव बताते हैं कि माता की कृपा से उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में लगातार सुधार हुआ है। इससे पूर्व, सावन के प्रथम सोमवार को गुप्तेश्वर पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी मुकुंद दास महाराज के पावन सानिध्य में गुप्तेश्वर महादेव का मनोहारी पुष्प श्रृंगार भी किया गया था।

मंदिरों में लगी रही श्रद्धालुओं की लंबी कतार

सावन के मंगलवार को सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं और दिनभर भगवान भोलेनाथ के पूजन एवं जलाभिषेक का सिलसिला निरंतर चलता रहा। शाम के समय भगवान का भव्य पुष्प श्रृंगार भक्तों के आकर्षण का मुख्य केंद्र बना रहा, जिसमें सार्थक परिहार, एड. उत्कर्ष रावत, कमलेश जायसवाल, सर्वेश रजक, एकलव्य ठाकुर एवं एड. राजेश तिवारी ने विशेष रूप से उपस्थित होकर भगवान की सेवा और पूजा-अर्चना में अपनी सहभागिता निभाई। इसके बाद गुप्तेश्वर सेवा समिति ने सभी शिवभक्तों के प्रति आभार व्यक्त किया और सावन मास में प्रतिदिन शाम को होने वाले दिव्य श्रृंगार एवं दर्शन का लाभ उठाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का आग्रह किया। इसके साथ ही, प्रति मंगलवार को मंगल चंडी मंदिर में उमड़ने वाली भारी भीड़ मां मंगलचंडी के प्रति लोगों की गहरी आस्था को दर्शाती है।

अशोका हॉल स्कूल में विद्यार्थियों ने दिखाया वैज्ञानिक कौशल

नवभारत, जबलपुर। अशोका हॉल स्कूल में मंगलवार को गणित और विज्ञान महोत्सव का एक आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, तार्किक क्षमता, रचनात्मकता तथा इन विषयों के प्रति रुचि विकसित करना था। इस महोत्सव में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए रचनात्मक, ज्ञानवर्धक और कार्यशील मॉडलों का बारीकी से अवलोकन किया। विद्यार्थियों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने-अपने मॉडल प्रस्तुत किए और उनकी कार्यप्रणाली, उद्देश्य तथा दैनिक जीवन में उनकी उपयोगिता को सरल एवं प्रभावशाली ढंग से समझाया। इस दौरान अभिभावकों ने बच्चों की प्रस्तुति, आत्मविश्वास और नवाचारी सोच की सराहना करते हुए विद्यालय द्वारा अनुभवात्मक एवं गतिविधि-आधारित शिक्षा प्रदान करने के इस प्रयास को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

महोत्सव में आकर्षक मॉडलों ने जीता सबका दिल

इस गणित और विज्ञान महोत्सव के दौरान गणितीय खेल, ज्यामितीय आकृतियाँ, मापन, संख्यात्मक अवधारणाएँ, वैज्ञानिक प्रयोग, पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, सौर ऊर्जा, जल संरक्षण और रोबोटिक्स जैसे दैनिक जीवन से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर आकर्षक मॉडल प्रदर्शित किए गए। विद्यार्थियों की इस अद्भुत रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और बेहतरीन प्रस्तुतीकरण कौशल ने वहाँ उपस्थित सभी आगंतुकों को गहराई से प्रभावित किया। कार्यक्रम के अंत में शाला की संस्थापिका अर्पिता मालपाणी ने सभी बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। यह कार्यक्रम शाला के सीईओ प्रदीप गंगाधरन, प्राचार्य आशिमा जान एवं प्रधान अध्यापिका आस्था कथूरिया के कुशल मार्गदर्शन में हुआ।

रोटरी क्लब जबलपुर वेस्ट ने ठाकुर ताल में किया पौधरोपण

नवभारत, जबलपुर। रोटरी क्लब जबलपुर वेस्ट द्वारा नया गांव के पास स्थित ठाकुर ताल में एक वृहद पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए आम, अमरूद, पीपल, नीम एवं औषधीय पौधे लगाए गए। इस पर्यावरण अनुकूल कार्यक्रम में रोटरी क्लब जबलपुर वेस्ट के अध्यक्ष रोटेरियन चंदन सिंह यादव, सचिव रोटेरियन वेद प्रकाश चतुर्वेदी, कोषाध्यक्ष रोटेरियन दीपक मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष डॉ. सुनील बहल, पूर्व अध्यक्ष दीपक सिंघई, मनीष समैया, शैलेश सोनी, विक्की सोनी, प्रवीण विश्वकर्मा, तपस विश्वास, समर सिंह ठाकुर, राजेंद्र मिश्रा, रोहित बिश्नोई, गौतम राय और संजय पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे तथा सभी ने मिलकर पौधों को रोपने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

शाही चादर और संदल जुलूस के साथ मनाया उर्स

नवभारत, जबलपुर। मंडी मदार टेकरी स्थित दरबारे रब्बानी में सैयदना सरकार शहीदे मिल्लत अल्लामा सैयद अब्दुल वदूद कादरी सूफी रब्बानी एवं कुतुबे जबलपुर हज़रत अल्लामा अल्हाज सैयद मोहम्मद दाऊदुल कादरी नश्तर रब्बानी का सालाना उर्स पूरी अकीदत और शानो-शौकत के साथ मनाया गया। मंगलवार को जुहर की नमाज़ के बाद अनीसिया पैलेस, मंडी मदार टेकरी से वली अहद साहिबे सज्जादा पीरज़ादा सैयद असजद रब्बानी, नायब सज्जादा नशीन मसनदे मसीहे मिल्लत सैयद अशहद रब्बानी तथा सैयद अरशद रब्बानी के नेतृत्व में पारंपरिक शाही

चादर और संदल जुलूस निकाला गया। इस जुलूस में स्थानीय लोगों सहित दूर-दराज से आए बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शामिल होकर अपनी अकीदत पेश की। विभिन्न मुख्य मार्गों से होते हुए जब जुलूस दरबारे रब्बानी पहुँचा, तो वहाँ परंपरानुसार गुस्ल, संदल, चादरपोशी तथा हल्का-ए-ज़िक्र-ए-शरीफ़-ए-कादरिया का आयोजन किया गया, जिससे पूरे दरगाह परिसर का माहौल आध्यात्मिक बना रहा। शाम को मगरिब की नमाज़ के बाद एक विशेष दुआ-ए-खैर का आयोजन हुआ, जिसमें देश की तरक्की, आपसी अमन-चैन, खुशहाली तथा संपूर्ण इंसानियत की भलाई के लिए विशेष रूप से प्रार्थना की गई और इस पूरे अवसर पर शहर व बाहर से आए भारी संख्या में जायरीन उपस्थित रहे।

नवपंख संस्था ने मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

नवभारत, जबलपुर। जिलेहरीघाट स्थित नर्मदा गार्डन में नवपंख सामाजिक विकास संस्था द्वारा हर साल की तरह इस साल भी एक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करना था। इस कार्यक्रम में शैक्षणिक सत्र 2026 के दौरान प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को मेडल, प्रशस्ति-पत्र और आकर्षक उपहार प्रदान किए गए,

जबकि अन्य सभी बच्चों का उत्साहवर्धन करने एवं उनके बेहतर भविष्य की कामना के साथ उन्हें प्रोत्साहन पुरस्कार वितरित किए गए। इस सम्मान को पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। इस समारोह का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाना, उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निरंतर प्रेरित करना तथा समाज में शिक्षा के महत्व को जन-जन तक पहुँचाना रहा। कार्यक्रम में मंच संचालन अशोक कुमार द्वारा किया गया और समारोह के समापन पर उपस्थित सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं अतिथियों को स्वल्पाहार वितरित किया गया। अंत में आराधना साहू ने उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर फाउंडर अध्यक्ष आराधना साहू, जिला अध्यक्ष अशोक कुमार, सह-सचिव दिनेश कुमार साहू, कोषाध्यक्ष अजय साहू, डॉ. श्रद्धा समीर खरे, मनोरमा साहू, अवतार सिंह, विभा राजकुमार पटेल और अंशुल सिंह सहित सभी सदस्य उपस्थित रहे।

महोत्सव

दस घंटे तक गूंजती रहीं सुरों की स्वर लहरियां, कलाकारों ने बांधा समां

भजन, लोकगीत और ग़ज़लों की रसधारा में डूबा 'मिलन अमृत महोत्सव

नवभारत, जबलपुर। भक्ति, लोकसंस्कृति और मधुर संगीत का अद्भुत संगम उस समय देखने को मिला, जब साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था 'मिलन' के तत्वावधान में आयोजित 'मिलन अमृत महोत्सव गीत-संगीत रसवर्षा' में सुरों की अविरल धारा बहती रही। कला वीथिका में आयोजित इस दस घंटे चले संगीत आयोजन में भजन, लोकगीत, गीत और ग़ज़लों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया।

दीप प्रज्वलन से हुआ शुभारंभ

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं मिलन के सूत्रधार स्व. मोहन शशि के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। सरस्वती वंदना की प्रस्तुति अर्चना गोस्वामी ने दी।

भक्ति रस में सराबोर हुआ पहला सत्र

प्रथम सत्र में तुलसीदास, मीराबाई और सूरदास के कालजयी भजनों ने श्रद्धा का वातावरण निर्मित किया। 'अब मैं नाच्यो बहुत गोपाला', 'पायो जी मैंने राम रतन धन पायो' और 'सुमिरन कर ले मेरे मना' जैसे भजनों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रोताओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। इस सत्र के अतिथि कुलजीत सिंह सेंगर, रामेश्वर प्रसाद सोनी और डॉ. उमाशंकर शर्मा रहे। संचालन राजेश पाठक 'प्रवीण' ने किया।

गीत और ग़ज़लों ने बांधा समां

आयोजन केतीसरे सत्र में गीत और ग़ज़लों की प्रस्तुतियों ने आयोजन को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं। सुभद्राकुमारी चौहान के गीतों से लेकर मिर्ज़ा ग़ालिब की अमर ग़ज़ल 'दिल-ए-नादां तुझे हुआ क्या है' तथा मख़्मूर देहलवी की चर्चित ग़ज़लों की सुमधुर प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा। इस सत्र का संचालन इंजी. विनोद नयन ने किया। अतिथि के रूप में निर्मला तिवारी, मीना भट्ट एवं डॉ. सुधीर तिवारी मौजूद रहे।

वाद्य कलाकारों ने भी बिखेरा जादू

हारमोनियम पर परशुराम पटेल और प्रकाश तिवारी, ढोलक पर धर्मू मिलौदिया तथा तबले पर शंभूप्रसाद विश्वकर्मा की सधी हुई संगत ने सभी प्रस्तुतियों को विशेष ऊंचाई प्रदान की।

ये रहे उपस्थित

समापन समारोह में मुख्य अतिथि समाजसेवी प्रदीप दुबे, विशिष्ट अतिथि नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज तथा अध्यक्षता महामहोपाध्याय डॉ. हरिशंकर दुबे ने की। कार्यक्रम का संचालन दीपक तिवारी 'दीपक' ने किया।आयोजन को सफल बनाने में संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट ईश्वर सिंह ठाकुर, सचिव डॉ. मुकुल तिवारी, अनुराधा 'अनु', विजयश्री 'विज्जो' और रमाकांत गौतम का विशेष सहयोग रहा। अंत में संयोजिका डॉ. अनामिका तिवारी ने सभी अतिथियों, कलाकारों और श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

लोकगीतों ने बिखेरा बुंदेली और लोक संस्कृति का रंग

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में लोकगीतों की मनोहारी प्रस्तुतियों ने ग्रामीण संस्कृति की सोंधी खुशबू बिखेर दी। 'गरजन बरसन लागी बदरिया', 'हरे रामा छाई घटा घनघोर', 'सैंया लै दे करधनिया', 'बहारदार बगिया में' और 'नरबदा मैयां ऐसी तो मिलीं रे' जैसे लोकगीतों पर श्रोताओं ने भरपूर सराहना की। सत्र का रोचक संचालन डॉ. मुकुल तिवारी ने किया, जबकि अतिथि के रूप में साधना उपाध्याय, गीता शरद तिवारी और अर्चना मलैया उपस्थित रहीं।

एनओआईडब्ल्यू का स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया

नवभारत, जबलपुर। नेशनल ऑर्गनाइजेशन ऑफ इंश्योरेंस वर्कर्स के 58वें स्थापना दिवस के अवसर पर मंगलवार को जबलपुर मंडल कार्यालय में संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने स्थापना दिवस समारोह उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर संगठन के ध्वज को नमन करते हुए संस्थापक नेताओं के योगदान का स्मरण किया गया तथा 'राष्ट्रहित, उद्योगहित एवं कर्मचारीहित' के मूल मंत्र को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनओआईडब्ल्यू की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मिताली बनर्जी ने कहा कि एनओआईडब्ल्यू केवल एक कर्मचारी संगठन नहीं, बल्कि एलआईसी कर्मचारियों के अधिकारों, उद्योगहित एवं राष्ट्रहित के लिए समर्पित एक

सशक्त आंदोलन है। उन्होंने कहा कि संगठन सदैव कर्मचारियों के हितों की रक्षा करते हुए राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देता रहेगा तथा संगठन की एकता को और अधिक मजबूत करेगा।

पदाधिकारियों ने संगठन की एकता पर दिया जोर

इस अवसर पर मध्य क्षेत्र के महामंत्री अनिल सिंह, मंडल अध्यक्ष मनोज साहू, मंडल महामंत्री राकेश गिल सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सभी वक्ताओं ने कहा कि संस्थापक नेताओं के त्याग, तपस्या एवं बलिदान के कारण आज एनओआईडब्ल्यू देश के अग्रणी कर्मचारी संगठनों में अपना विशिष्ट स्थान बनाए हुए है। समारोह में उपस्थित सभी सदस्यों ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा करने तथा एलआईसी और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान देने का सामूहिक संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।